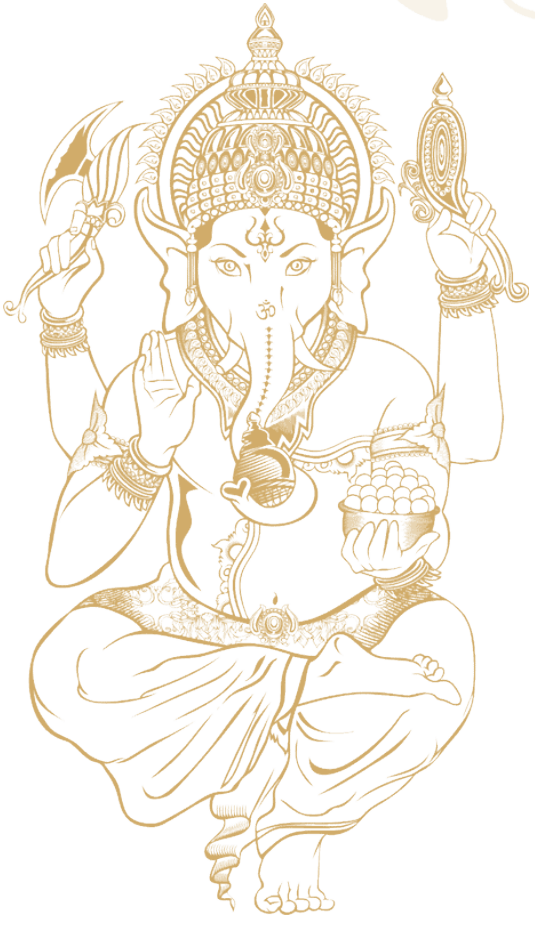

Nidhi Dubey

24 Mar 2007

03:00 PM

Vasai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121319603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/03/2007**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	20:49:14 घटी
स्थान	**Vasai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:21:00 उत्तर
रेखांश	72:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:21:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	02:27:07 घंटे
सूर्योदय	06:40:18 घंटे
सूर्यास्त	18:50:29 घंटे
दिनमान	12:10:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:24:26 मीन
लग्न के अंश	16:44:51 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:44:51	323:48:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			मीन	09:24:26	00:59:30	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	22:10:53	13:53:52	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	26:05:58	00:45:56	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	11:49:10	01:05:49	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	25:34:16	00:02:21	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	13:50:50	01:12:03	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		कर्क	24:48:57	00:02:44	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	22:04:26	00:01:18	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:04:26	00:01:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	21:47:03	00:03:19	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:05:05	00:01:48	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:59:31	00:00:15	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			मेष	15:12:59	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:33

लग्न-चलित

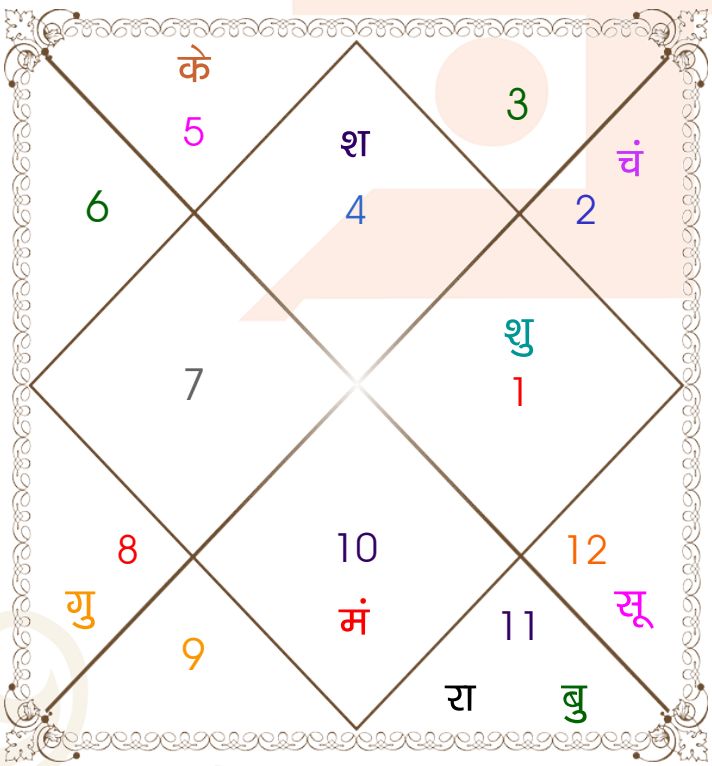

चन्द्र कुंडली

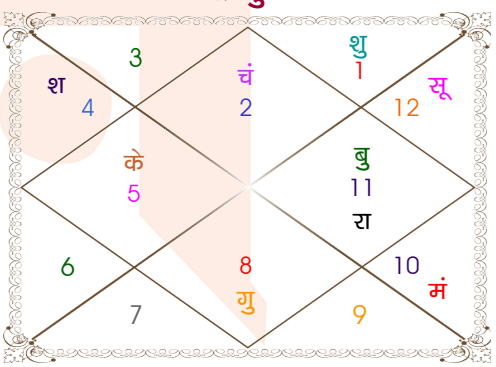

नवमांश कुंडली

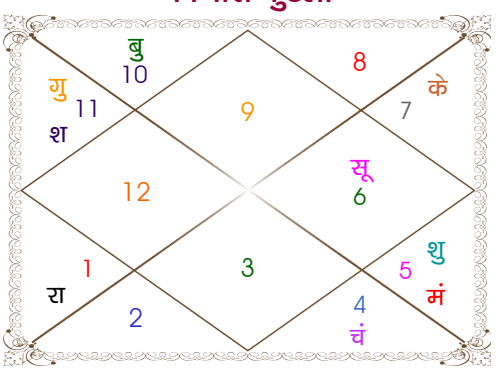

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 10 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/03/2007		03/02/2008		02/02/2015		02/02/2033		02/02/2049	
03/02/2008		02/02/2015		02/02/2033		02/02/2049		03/02/2068	
	00/00/0000	मंगल	01/07/2008	राहु	16/10/2017	गुरु	23/03/2035	शनि	06/02/2052
	00/00/0000	राहु	19/07/2009	गुरु	10/03/2020	शनि	03/10/2037	बुध	16/10/2054
	00/00/0000	गुरु	25/06/2010	शनि	15/01/2023	बुध	09/01/2040	केतु	25/11/2055
	00/00/0000	शनि	04/08/2011	बुध	04/08/2025	केतु	15/12/2040	शुक्र	24/01/2059
	00/00/0000	बुध	31/07/2012	केतु	22/08/2026	शुक्र	16/08/2043	सूर्य	06/01/2060
	00/00/0000	केतु	27/12/2012	शुक्र	22/08/2029	सूर्य	03/06/2044	चंद्र	07/08/2061
	24/03/2007	शुक्र	27/02/2014	सूर्य	17/07/2030	चंद्र	03/10/2045	मंगल	15/09/2062
शुक्र	04/08/2007	सूर्य	04/07/2014	चंद्र	15/01/2032	मंगल	09/09/2046	राहु	22/07/2065
सूर्य	03/02/2008	चंद्र	02/02/2015	मंगल	02/02/2033	राहु	02/02/2049	गुरु	03/02/2068

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/02/2068		02/02/2085		03/02/2092		04/02/2112		03/02/2118	
02/02/2085		03/02/2092		04/02/2112		03/02/2118		00/00/0000	
बुध	01/07/2070	केतु	01/07/2085	शुक्र	04/06/2095	सूर्य	23/05/2112	चंद्र	05/12/2118
केतु	29/06/2071	शुक्र	31/08/2086	सूर्य	03/06/2096	चंद्र	22/11/2112	मंगल	06/07/2119
शुक्र	28/04/2074	सूर्य	06/01/2087	चंद्र	02/02/2098	मंगल	30/03/2113	राहु	04/01/2121
सूर्य	05/03/2075	चंद्र	07/08/2087	मंगल	04/04/2099	राहु	21/02/2114	गुरु	06/05/2122
चंद्र	03/08/2076	मंगल	03/01/2088	राहु	05/04/2102	गुरु	11/12/2114	शनि	05/12/2123
मंगल	01/08/2077	राहु	21/01/2089	गुरु	04/12/2104	शनि	23/11/2115	बुध	05/05/2125
राहु	18/02/2080	गुरु	28/12/2089	शनि	04/02/2108	बुध	28/09/2116	केतु	04/12/2125
गुरु	26/05/2082	शनि	06/02/2091	बुध	05/12/2110	केतु	03/02/2117	शुक्र	25/03/2127
शनि	02/02/2085	बुध	03/02/2092	केतु	04/02/2112	शुक्र	03/02/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।